भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-2086
उत्तर दिनांक 07/08/2025 को दिया गया

देश में कुल ऊर्जा उत्पादन की तुलना में परमाणु ऊर्जा का उत्पादन

2086. श्री सी.वी. षनमुगम

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) क्या यह सच है कि देश में कुल ऊर्जा उत्पादन की तुलना में परमाणु ऊर्जा का उत्पादन बहुत कम है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) देश में परमाणु ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;

(घ) क्या सरकार देश में, विशेषकर तमिलनाडु में, कुछ और परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने पर विचार कर रही है;

(ङ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(च) इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) व (ख) देश के कुल बिजली उत्पादन में नाभिकीय ऊर्जा का योगदान लगभग 3% है। वर्ष 2024-25 में, देश का कुल बिजली उत्पादन लगभग 1830 बिलियन यूनिट रहा, जिसमें से नाभिकीय ऊर्जा का योगदान लगभग 56.7 बिलियन यूनिट (~ 3.1%) था।

(ग) सरकार का प्रस्ताव नाभिकीय विद्युत क्षमता के संवर्धन द्वारा कुल बिजली उत्पादन में नाभिकीय ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ाना है। वर्तमान 8780 मेगावाट (आरएपीएस-1 - 100 मेगावाट को छोड़कर) क्षमता को निर्माणाधीन परियोजनाओं के क्रमिक पूर्ण होने पर बढ़ाकर 22380 मेगावाट किए जाने की योजना है। इसके अलावा, सरकार ने वर्ष 2047 तक 100 गीगावाट नाभिकीय विद्युत क्षमता प्राप्ति के लिए एक नाभिकीय ऊर्जा मिशन की घोषणा की है।

(घ) से (च) हां। वर्तमान में तमिलनाडु स्थित कुडनकुलम में चार नाभिकीय विद्युत रिएक्टर - केकेएनपीपी 3 व 4 (2X1000 मेगावाट) और केकेएनपीपी 5 व 6 (2X1000 मेगावाट) निर्माणाधीन हैं। भाविनि द्वारा कल्पाक्कम, तमिलनाडु में 500 मेगावाट क्षमता का एक प्रोटोटाइप द्रुत प्रजनक रिएक्टर (पीएफबीआर) परियोजना भी स्थापित की जा रही है।

*****